

# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 33] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 12, 1970/भाद्र 21, 1892

No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 12, 1970/BHADRA 21, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## भाग II—खण्ड 4

### PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए विधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the  
Ministry Defence

MINISTRY OF DEFENCE

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 मई, 1970

का० नि० प्रा० 233.—सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा नियम, 1968 के नियम 11 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करने के पश्चात् सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 में संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) संशोधन विनियम, 1970 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये अप्रैल, 1969 के 12 वें दिन को प्रवृत्त हुए समझे जायेंगे ।

2. सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 में—

(i) विनियम 2 के उप विनियम (1) में,

(क) खंड (ख) में “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के पश्चात् आने वाला “और” शब्द लोप कर दिया जायेगा।

(ख) खंड (ख) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“(खख) ‘भूतपूर्व-सैनिक’ से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने छः मास की निरंतर कालावधि के लिए संघ के सशस्त्र बल में किसी भी रैंक में (चाहे लड़ाकू के रूप में या अन्यथा) सेवा की है और जिसे अवधार या अवधता के कारण पदच्युत या सेवोन्मुक्त से अन्यथा निर्मोचित किया गया है।

स्पष्टीकरण :—इस खंड के प्रयोजन के लिए, “संघ के सशस्त्र बल” में भूतपूर्व भारतीय राज्य सशस्त्र बल सम्मिलित हैं किन्तु इसमें निम्नलिखित बलों के सदस्य सम्मिलित नहीं हैं, अर्थात् :—

(क) असम राइफलस;

(ख) लोक सहायक सेना; और

(ग) जनरल रिजर्व इंजीनियर कोर्स, और

(ii) विनियम 4 के खंड (iii) के विद्यमान परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“परन्तु असाधारण दशाओं में आयोग द्वारा उस अभ्यर्थी को जो यद्यपि इस खंड में विनिर्दिष्ट अर्हताएं न रखता हो तथापि यदि वह ऐसी अर्हताएं रखता हो जिसका स्तर परीक्षा में उसके प्रवेश को न्यायोचित ठहराता हो आयोग द्वारा शैक्षिक रूप से अर्हताप्राप्त अभ्यर्थी माना जा सकेगा।

टिप्पण :—वह अभ्यर्थी जो ऐसे परीक्षा में बैठा हो जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाये किन्तु जिसे परीक्षा के परिणाम की सूचना नहीं दी गई हो परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन दे सकता है परन्तु यह तब जब कि अर्हक परीक्षा इस परीक्षा के आरम्भ होने के पूर्व समाप्त हो गई हो। अगर अन्यथा पात्र है तो ऐसे अभ्यर्थियों को परीक्षा में प्रवेश दिया जायेगा किन्तु प्रवेश अनन्तिम समझा जायेगा और रद्द किया जा सकेगा, यदि वे यथा सम्भव शीघ्र और किसी भी अवस्था में इस परीक्षा के आरम्भ होने के दो मास पश्चात् तक, परीक्षा पास कर चुकने का प्रमाण प्रस्तुत नहीं करते।”

[फाइल सं० 99549/सी ए ओ/डी पी सी]

#### स्पष्टीकारक ज्ञापन

सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) संशोधन विनियम, 1970

ऊपर के संशोधन को भूतलक्षी प्रभाव देना निम्नलिखित कारणों से आवश्यक हो गया है।

1-3-68 में सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा, गठित की गई थी, देखिए बल मुख्यालय लिपिक सेवा नियम, 1968 द्वारा इन नियमों की तृतीय अनुसूची में अन्य बातों के साथ यह भी उपबंधित किया गया कि निम्न-श्रेणी-लिपिक की श्रेणी में की 90 प्रतिशत अस्थायी रिक्तियाँ समय-समय पर सरकार द्वारा जारी किये गए नियमों और आदेशों के अनुसार जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिये और भूतपूर्व-सैनिकों के लिये रिक्तियों के आरक्षण के अध्वधीन संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस प्रयोजन के लिए ली गई प्रतियोगिता परीक्षाओं के आधार पर सीधी भर्ती द्वारा भरी जायेंगी।

सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा नियम, 1968 के नियम 11 के अनुसरण में, सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम 1959 बनाये गये थे; इन विनियमों में, तृतीय अनुसूची में निर्दिष्ट प्रतियोगिता परीक्षाओं की प्रक्रिया अधिकृत की गई थी। सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 का विनियम 8 का उप-विनियम (4) में उपबंधित है कि किसी परीक्षा के परिणाम पर सेवा की निम्न-श्रेणी ग्रेड पर नियुक्तियां समय-समय पर इस निमित्त सरकार द्वारा जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए और भूतपूर्व सैनिकों के लिए रिक्तियों के आरक्षण के अध्यधीन संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नियुक्ति के लिए सिफारिश की गई अभ्यर्थियों की योग्यता क्रम में उपलब्ध रिक्तियों के सीमा तक की जायेगी।

1969 में ली गई लिपिक ग्रेड परीक्षा के लिए गृह मंत्रालय द्वारा 2-11-1968 को नियम अधिसूचित किये गये थे। यह परीक्षा केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा (ख), रेल बोर्ड लिपिक सेवा और सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा आदि के लिए आशयित है। ऊपर के नियम में अन्य बातों के साथ यह भी कथित था कि—

- (क) निम्न-श्रेणी ग्रेड में की रिक्तियों की कुछ प्रतिशत भूतपूर्व-सैनिकों के लिए आरक्षण होगी;
- (ख) किसी अभ्यर्थी को जो किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिसमें पास करना उसे परीक्षा में बैठने का पात्र बनाता है, कतिपय शर्तों के अध्यधीन परीक्षा में अनन्तिम प्रवेश दिया जायेगा।

“भूतपूर्व-सैनिक” शब्द न तो सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा नियम, 1968 में और न सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 में परिभाषित है; इन नियमों और विनियमों में अनन्तिम आधार पर उन अभ्यर्थियों के प्रवेश को विनियमित करने के लिए भी कोई उपबन्ध नहीं है जो ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हैं जिसमें पास करना उन्हें 1969 में ली गई लिपिक ग्रेड परीक्षा में बैठने के लिए पात्र बनाता। उक्त परीक्षा के अर्हित अभ्यर्थियों को जैसा कि गृह मंत्रालय द्वारा विभिन्न सेवाओं में, जिसमें सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा भी सम्मिलित है, नाम निर्देशित किया जा चुका है और ऐसा करते समय कुछ उन भूतपूर्व-सैनिकों को भी नाम निर्देशित कर दिया गया है जो आरक्षित रिक्तियों के लिए परीक्षा में बैठे थे। इस संशोधन का भूतलक्षी प्रभाव आवश्यक है, क्योंकि सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1969 के विनियम 8 के उप-विनियम (4) में यथा सम्मिलित व्यक्तियों के ऐसे प्रवर्ग के लिए आरक्षण का सिद्धान्त कार्यान्वित किया जा चुका है।

यह प्रमाणित किया जाता है कि इस संशोधन को भूतलक्षी प्रभाव देना सशस्त्र बल मुख्यालय लिपिक सेवा में नियुक्त निम्न श्रेणी लिपिकों के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगा।

भार० डी० जैन,

सहायक मुख्य प्रशासन अधिकारी।

*New Delhi, the 21st August 1970*

INDIAN AIR FORCE ACT (AMENDMENT) RULES, 1970.

**S.R.O. 396.**—In exercise of the powers conferred by Section 189 of the Air Force Act, 1950 (45 of 1950), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Air Force Act Rules as continued in force under rule 13 of the Air Force Act Rules, 1950, namely:—

1. These Rules may be called the Indian Air Force Act (Amendment) Rules, 1970.
2. In the Indian Air Force Act Rules, in rule 137A, for sub-rule (h) the following sub-rules shall be substituted, namely:—

“(h) Unless the Chief of the Air Staff sees reason to order otherwise, any person subject to the Act whose character or service reputation is, in the opinion of the said Chief of the Air Staff, affected by anything in the evidence before or in the report of a court of inquiry, he shall be entitled to a copy of the proceedings of such court.

- (i) Any person subject to the Act who is tried by a court-martial in respect of any matter or thing which has been reported on by a court of inquiry shall be entitled to a copy of the proceedings of such Court, including any report made by the Court of inquiry;

Provided that if the Chief of the Air Staff considers that it is against the interests or the security of the State or friendly relations with a foreign State to supply a copy of the proceedings or any part thereof, such person shall not be furnished with such a copy, but in such cases he shall, subject to suitable precautions as to security, be permitted inspection of such portions of the proceedings of the court of inquiry, on the basis of which the charges have been framed for trial before the Court-martial.

- (j) A copy of the proceedings of the court of inquiry shall be furnished under sub-rules (h) and (i) on payment at the rate laid down in rule 112 for copies of the proceedings of the court-martial.
- (k) A person subject to the Act before he is furnished with a copy of the proceedings of the court of inquiry or is permitted to inspect any portion of the proceedings shall be required to give an undertaking that he is aware that he may render himself liable to prosecution under the Official Secrets Act, 1923 (19 of 1923) for any breach of the provisions of the said Act, in relation to such proceedings or portion thereof.

[F. No. Air HQ/S.45351/5/LGL.]

KULWANT SINGH, Dy. Secy.

*New Delhi, the 27th August 1970*

**S.R.O. 397.**—In pursuance of sub section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Agra by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Shri A. P. Verma Magistrate 1st Class.

[F. No. 19/42/C/L & C/66/3026-C/1-D(Q & C).]

नई दिल्ली, 27 अगस्त, 1970

का० नि० आ० 397 :—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, आगरा की सदस्यता में श्री ए० पी० वर्मा के त्यागपत्र के केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्त हो गई है।

[फाइल सं० 19/42/सी०/एल० एण्ड सी०/66/3026-सी-3/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

**S.R.O. 398.**—In pursuance of sub section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri Bhagat Singh, Magistrate 1st Class has been nominated as a member of the Cantonment Board, Agra by the District Magistrate, Agra in exercise of the powers conferred under section 13(3) (b) of that Act vice Shri A. P. Verma, Magistrate 1st Class resigned.

[F. No. 19/42/C/L & C/66/3026-C/2-D(Q & C).]

का० नि० आ० 398 —छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि श्री भगत सिंह को, श्री ए० पी० वर्मा के, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, आगरा के एक सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल सं० 19/42/सी०/एल० एण्ड सी०/66/3026-सी-4/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

*New Delhi, the 31st August 1970*

**S.R.O. 399.**—In pursuance of sub section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Shahjahanpur by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Lt. Col. Bishan Kishore, a nominated member.

[F. No. 19/30/C/L & C/65/3079-C/1-D(Q & C).]

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1970

का० नि० आ० 399 —छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा ले० कर्नल बिशन किशोर, नामनिर्दिष्ट सदस्य, के पद-त्याग को स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड, शाहजहानपुर की सदस्यता में एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं० 19/30/सी०/एल० एण्ड सी०/65/3079-सी-3/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

**S.R.O. 400.**—In pursuance of sub section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major Mehar Singh, has been nominated as a member of the Cantonment Board, Shahjampur vice Lt. Col. Bishan Kishore, who has resigned.

[F. No. 19/30/C/L & C/65/3079-C/2/D(Q & C).]

का० नि० आ० 400 —छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि मेजर मेहर सिंह को ले० कर्नल बिशन किशोर जिन्होंने पदत्याग कर दिया है, के स्थान पर छावनी बोर्ड, शाहजहानपुर के सदस्य के रूप में नामनिर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल सं० 19/30/सी०/एल० एण्ड सी०/65/3079-सी-4/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

*New Delhi, the 2nd September 1970*

**S.R.O. 401.**—In exercise of the powers conferred by section 60 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Cantonment Board, Chakrata, with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following amendment in

the Notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 372 dated the 18th September, 1954, namely:—

In the said notification for the Schedule, the following shall be substituted, namely:—

#### SCHEDULE

(1) Motor lorries, motor buses or trucks	Rs. 2.00 Each
(2) Motor cars	Re. 1.00 "
(3) Motor cycles	Re. 0.50 "
(4) Bicycles	Re. 0.25 "
(5) Bullocks buffaloes and cows	Re. 0.25 "
(6) Pigs	Re. 0.15 "
(7) Calves, sheep and goats	Re. 0.10 "
(8) Horses, ponies, Mules and Donkeys	Re. 0.15 "
(9) Carriages, tumtums, tongas and ekkas	Re. 0.75 "
(10) Bullock carts	Re. 0.75 "

[F. No. 53/6/C/L & C/70/3094-C/1/D(Q & C).]

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1970

का० नि० आ० 401.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 60 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए छावनी बोर्ड, चकराता, केन्द्रीय सरकार की पूर्ब मंजूरी से, भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० नि० आ० 372 तारीख 18 सितम्बर, 1954, में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में अनुसूची के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

#### अनुसूची

(1) मोटर लारियां, मोटर बसें या ट्रक	प्रत्येक	2.00 रु०
(2) मोटर कारें	"	1.00 रु०
(3) मोटर साइकिलें	"	0.50 रु०
(4) बाइसिकिलें	"	0.25 रु०
(5) बैल, भैंस और गायें	"	0.25 रु०
(6) सूअर	"	0.15 रु०
(7) बछड़े, भेड़ें और बकरियां	"	0.10 रु०
(8) घोड़े, टट्टू, खरबुर और गधे	"	0.15 रु०
(9) गाड़ियां, टमटम, तांगे और हक्के	"	0.75 रु०
(10) बैलगाड़ियां	"	0.75 रु०

[फाइल सं० 53/6/सी/एल० एण्ड सी०/70/3094-सी-2/डी (क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 402.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby fixes 20th November, 1970 as the date on which ordinary elections in Ferozepur Cantonment shall be held.

[F. No. 29/19/C/L & C/66/3106-C/D(Q & C).]

S. P. MADAN, Under Secy.

क्रा० नि० अा० 402. --छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 16 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा 20 नवम्बर, 1970 को उस तारीख के रूप में नियत करती है जिस तारीख को फोरोजपुर छावनी में साधारण निर्वाचन किये जायेंगे।

[काहल स० 29/19/सी/एन० एण्ड सी०/66/3106/सी/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

एस० पी० मदान, अवर सचिव।

